समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 1

नींव की ईंट

(रामवृक्ष बेनीपुरी (1902-1968))

भाग – 2

अभ्यास-माला

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म कहाँ हुआ था?

बोध एवं विचार —

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तर : रामवृक्ष बेनीपुरीजी का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर के बेनीपुर गाँव में हुआ था।

(ख) बेनीपुरी जी को जेल की यात्राएँ क्यों करनी पड़ी थी ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) बेनीपुरी जी को जेल की यात्राएँ क्यों करनी पड़ी थी ?

उत्तर : भारतीय स्वतंत्रता सेनानी के रूप में सक्रिय रूप से भाग लेने के कारण बेनीपुरी जी को सन 1930 से 1942 तक जेल की यात्रा करनी पड़ी थी।

(ग) बेनीपुरी जी का स्वर्गवास कब हुआ था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) बेनीपुरी जी का स्वर्गवास कब हुआ था?

उत्तर : बेनीपुरी जी का सन 1968 ई. को स्वर्गवास हुआ था।



(घ) चमकीली, सुंदर, सुघड़ इमारत वस्तुतः किस पर टिकी होती है?



(घ) चमकीली, सुंदर, सुघड़ इमारत वस्तुतः किस पर टिकी होती है?

उत्तर : चमकीली, सुंदर, सुघड़ इमारत नींव की ईंट पर टिकी होती है।

(ङ) दुनिया का ध्यान सामान्यतः किस पर जाता है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) दुनिया का ध्यान सामान्यतः किस पर जाता है?



उत्तर : दुनिया का ध्यान सामान्यतः, इमारत के कंगूरों पर जाता है।

(च) नींव की ईंट को हिला देने का परिणाम क्या होगा?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) नींव की ईंट को हिला देने का परिणाम क्या होगा?

उत्तर : नींव की ईंट को हिला देने के परिणामस्वरूप कंगूरा सहित पूरी इमारत मिट्टी में मिल जाएगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) सुंदर सृष्टि हमेशा ही क्या खोजती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) सुंदर सृष्टि हमेशा ही क्या खोजती है?

उत्तर : सुदंर सृष्टि हमेशा बलिदान खोजती है।



(ज) लेखक के अनुसार गिरजाघरों के कलश वस्तुतः किनकी शहादत से चमकते हैं ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) लेखक के अनुसार गिरजाघरों के कलश वस्तुतः किनकी शहादत से चमकते हैं ?

उत्तर : जिन्होंने ईसाई धर्म के प्रचार के लिए मौन रूप से सबकुछ सहन करके चुपचाप अपना बलिदान दिया; लेखक के अनुसार उन्हीं की शहादत से वस्तुतः गिरजाघरों के कलश चमकते हैं।

(झ) आज किसके लिए चारों ओर होड़ा-होड़ी मची है?



(झ) आज किसके लिए चारों ओर होड़ा-होड़ी मची है?

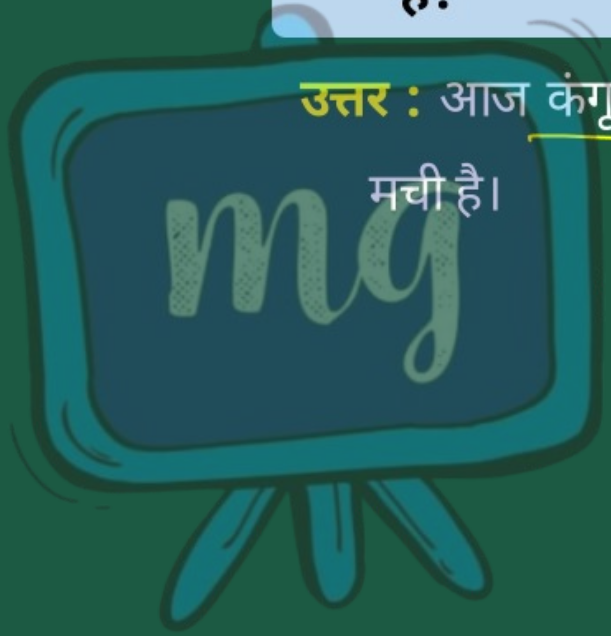

उत्तर : आज कंगूरा बनने के लिए चारों ओर होड़ा-होड़ी मची है।

(ञ) पठित निबंध में 'सुंदर इमारत' का आशय क्या है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ञ) पठित निबंध में 'सुंदर इमारत' का आशय क्या है?

उत्तर : पठित निबंध में 'सुंदर इमारत' का आशय है नया सुन्दर समाज ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) मनुष्य सत्य से क्यों भागता है?



2. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) मनुष्य सत्य से क्यों भागता है?

उत्तर : सत्य कठोर तथा भद्दा होता है। मनुष्य इसी भद्देपन से भागता है। इसलिए वह सत्य से भी भागता है। जो कठोरता से भागते हैं, वे सत्य से भी भागते हैं ।

(ख) लेखक के अनुसार कौन-सी ईंट अधिक धन्य है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) लेखक के अनुसार कौन-सी ईंट अधिक धन्य है?

उत्तर : लेखक के अनुसार वह ईंट धन्य है, जो जमीन के सात हाथ नीचे जाकर गड़ गयी, और चमकीली इमारत की पहली ईंट बनी। जिस पर पूरी इमारत टीकी रहती है।

(ग) नींव की ईंट की क्या भूमिका होती है?



(ग) नींव की ईंट की क्या भूमिका होती है?

उत्तर : नींव की ईंट की भूमिका किसी के साथ तुलना नहीं किया जा सकता है। नींव की ईंट जिस प्रकार पूरे इमारत को पकड़ कर खड़ा रखने में सहायता करती है, उसी प्रकार समाज के लिए चुपचाप बलिदान देने वाले नव-युवकों को नींव की ईंट के साथ तुलना किया गया है। समाज को सुन्दर बनाने के लिए नींव की ईंट रूपी व्यक्ति की आवश्यकता हैं ।

(घ) कंगूरे की ईंट की भूमिका स्पष्ट करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) कंगूरे की ईंट की भूमिका स्पष्ट करो।

उत्तर : समाज के ऊँचे पदों में काम करने वालों के यश कमाने का प्रतिनिधित्व करती है कंगूरे की ईंट। लेखक इससे कहना चाहते हैं कि समाज की भलाई के लिए नींव की ईंट रूपी व्यक्ति परिश्रम करते है; लेकिन अधिक सम्मान तो उसको मिलता है जो कंगूरे की ईंट वाले है। आज के लिए यह बिल्कुल सत्य है।

(ङ) शहादत का लाल सेहरा कौन-से लोग पहनते हैं और क्यों ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) शहादत का लाल सेहरा कौन-से लोग पहनते हैं और क्यों ?

उत्तर : सुन्दर इमारत निर्माण के लिए कुछ लाल पक्की ईटों की जरुरत होती है, जो अपने को मौन बलिदान देकर मिट्टी में गड़ जाती है। ठीक उसी प्रकार सुंदर समाज निर्माण करने के लिए ऐसे लाल सेहरे वाले लोगों का बलिदान होना चाहिए, जो निस्वार्थ रूप से समाज की उन्नति के बारे में सोचे।

(च) लेखक के अनुसार ईसाई धर्म को किन लोगों ने अमर बनाया और कैसे ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) लेखक के अनुसार ईसाई धर्म को किन लोगों ने अमर बनाया और कैसे ?

उत्तर : लेखक के अनुसार ईसाई धर्म को उन लोगों ने अमर बनाया, जिन्होंने इस धर्म के प्रचार के लिए चुपचाप अपना बलिदान दिया और सब कुछ मौन रूप से सहन करके धर्म प्रचार में लगे रहे ।

(छ) आज देश के नौजवानों के समक्ष चुनौती क्या है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) आज देश के नौजवानों के समक्ष चुनौती क्या है?

उत्तर : सात लाख गाँवों का नव निर्माण, हजारों शहरों और कारखानों का नव-निर्माण। कोई शासक इसे संभव नहीं कर सकता। इसलिए देश के नौजवानों के समक्ष चुनौती है कि वे इस काम में अपने को चुपचाप खपा दे।

3. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) मनुष्य सुंदर इमारत के कंगूरे को तो देखा करते हैं, पर उसकी नींव की ओर उनका ध्यान क्यों नहीं जाता ?

उत्तर : मनुष्य का स्वभाव है कि वे चुपचाप मरने की बजाय यश चाहते हैं। किन्तु ऐसी यश प्राप्ति के लिए हमेशा जो बलिदान देना पड़ता है, उससे दूर भागते हैं। लोग कठोरता से भागते है अर्थात् सत्य से भागते हैं। लेकिन यश से नहीं भागते । बिना परिश्रम से यश आशा करते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जैसे स्वतंत्रता के बाद लोग पद, यश, धन के पीछे होड़ा-होड़ी कर रहे है, किंतु नये समाज निर्माण के लिए चुपचाप कर्म नहीं करना चाहते । ऐसे ही लोग इमारत के कंगूरे तक देखते हैं और नींव तक नहीं देखते ; क्योंकि वे यश ही चाहते हैं।

(ख) लेखक ने कंगूरे के गीत गाने के बजाय नींव के गीत गाने के लिए क्यों आह्वान किया है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) लेखक ने कंगूरे के गीत गाने के बजाय नींव के गीत गाने के लिए क्यों आह्वान किया है ?

उत्तर : लेखक बेनीपुरी जी आज देश के नव युवकों को आह्वान कर रहे हैं कि वे देश के नव-निर्माण के लिए नींव की ईंट के समान चुपचाप अपने को निछावर कर दें ; क्योंकि आजादी के बाद हजारों नगरों, कारखानों और लाखों गाँवों का नव-निर्माण हो रहा है। इसके लिए चुपचाप काम करने वाले लाखों नवयुवकों की आवश्यकता है। इसलिए वह सबको आह्वान कर रहे हैं । जिससे वह एक दिन नींव के गीत गा सकें। नींव बनाने वालों को इससे प्रेरणा मिलती है।

(ग) सामान्यतः लोग कंगूरे की ईंट बनना तो पसंद करते हैं, परंतु नींव की ईंट बनना क्यों नहीं चाहते ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

(ग) सामान्यतः लोग कंगूरे की ईंट बनना तो पसंद करते हैं, परंतु नींव की ईंट बनना क्यों नहीं चाहते ?

उत्तर : नींव की ईंट का अर्थ है - मौन बलिदान देना और कंगूरे की ईंट का अर्थ है- यश प्राप्त करनेवाला कार्य करना। यह मानव स्वभाव है। वह चुपचाप मरने के बजाय जीवन में अनायास प्रशंसा चाहते हैं। इसलिए आज दुनिया में कंगूरे के ईंट बनने के लिए होड़ा-होड़ी लगती है। भारत के स्वतंत्रता लड़ाई में अनेक वीर शहीद हो गये ; लेकिन स्वतंत्रता के बाद कुछ लोग यश, पद और धन के पीछे दौड़ते रहे।

(घ) लेखक ईसाई धर्म को अमर बनाने का श्रेय किन्हें देना चाहता है और क्यों ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) लेखक ईसाई धर्म को अमर बनाने का श्रेय किन्हें देना चाहता है और क्यों ?

उत्तर : लेखक ईसाई धर्म को अमर बनाने का श्रेय उन धर्म प्रचारकों को देना चाहते हैं जिन्होंने धर्म प्रचार के लिए चुपचाप अपने को बलिदान दिया और मौन सहन करके धर्म प्रचार में लगे रहें। धर्म प्रचार करने में कितने ही लोगों की मौत हो गयी, उनका हिसाब नहीं; लेकिन यह सत्य है कि उन्हीं के पुण्य-प्रयास से ही आज ईसाई धर्म एक श्रेष्ठ धर्म बन गया। इसलिए लेखक बेनीपुरी जी ने उन अनामी शहीदों को ही श्रेष्ठ माना है।

(ङ) हमारा देश किनके बलिदानों के कारण आजाद हुआ ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) हमारा देश किनके बलिदानों के कारण आजाद हुआ ?

उत्तर : हमारा देश आज आजाद है । लेकिन इस आजादी के पीछे अनेक अनाम शहीदों का बलिदान है, जिसके नाम इतिहास में कहीं लिखे नहीं गए । शायद उनकी चर्चा भी कभी न होती है। ऐसे लोगो नें बिना यश से देश को आजादी प्रदान किया। इस प्रकार नींव की ईंट की तरह अनाम शहीदों के बलिदान से ही हमारा देश आज स्वाधीन हुआ।

(च) दधीचि मुनि ने किसलिए और किस प्रकार अपना बलिदान किया था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) दधीचि मुनि ने किसलिए और किस प्रकार अपना बलिदान किया था ?

उत्तर : पुराण के अनुसार दधीचि एक ऋषि थे। उसी समय 'वृत्रासुर नामक एक असुर भी था। वह अमर बना था। उसे वरदान मिला था कि वह किसी भी अस्त्र से नहीं मरेगा। इसलिए उसने देवराज इंद्र को भी आक्रमण किया था। उपाय विहीन होकर देवराज इन्द्र ने दधीचि मुनि के पास आकर सब कुछ बताया। अस्त्र बनाने के लिए देवराज ने दधीचि के हड्डियों को माँगा। असुरों को मारने के लिए दधीचि ने हड्डियों का दान किया और इससे वृत्रासुर मारा भी गया।

यह महान बलिदान आज भी स्मरणीय और प्रेरणादायक है।



(छ) भारत के नव-निर्माण के बारे में लेखक ने क्या कहा है?



(छ) भारत के नव-निर्माण के बारे में लेखक ने क्या कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) भारत के नव-निर्माण के बारे में लेखक ने क्या कहा है?

उत्तर : भारत के नव निर्माण के लिए लेखक ने देश के उन नवयुवकों को आह्वान किया है, जो देश के नव निर्माण के लिए नींव की ईंट के समान चुपचाप स्वयं को सौंप देगा। क्योंकि लेखक आजादी के बाद हजारों नगरों, कारखानों, गाँवों का नव निर्माण देखना चाहते हैं। इसके लिए चुपचाप काम करने वाले लाखों नवयुवकों की आवश्यकता है। इसलिए उन लोगों को आह्वान किया गया हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) 'नींव की ईंट' शीर्षक निबंध का संदेश क्या है?



(ज) 'नींव की ईंट' शीर्षक निबंध का संदेश क्या है?

उत्तर : 'नींव की ईंट' निबंध से देश के नवयुवकों को नव निर्माण के लिए प्रेरणा दिया गया है। इमारत के कंगूरों की प्रशंसा से भविष्य में देश का कोई लाभ नहीं होगा, जैसे नींव की ईंट से होती है। जिस प्रकार नीव की ईंट के बलिदान से इमारत खड़ा हुआ है, उसी प्रकार देश के नवयुवकों के बलिदान से नये समाज बन सकते हैं। जिससे राष्ट्र मजबूत बनेगा ।